प्राथमिक शिक्षक

वर्ष: 36 अंक -3 जुलाई 2012

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा - 2005 और गणित की पढ़ाई — 5
2. क्यों डराता है गणित का भूत — प्रवीण त्रिवेदी — 11
3. खेल-खेल में गणित — अक्षय कुमार दीक्षित — 17
4. मेरी गणित की कक्षाएँ और सौरभ — मोहम्मद उमर — 22
5. स्कूली बच्चों को ऋणात्मक संख्याएँ पढ़ाना — जयश्री सुब्रह्मण्यम — 27
6. गणित सीखना-सिखाना — 38
7. गणित की पढ़ाई और मूल्यों का विकास — निर्मल बग्गा — 46
8. भाषा के रंग-गणित के संग — लता पाण्डे — 50

कहानी

9. सही-गलत — रिनचिन — 56
10. एक अनूठी हड़ताल — कृष्णा सहगल — 64

शोध

11. प्राथमिक शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षता को प्रभावित करने वाले कारक — आर.सी. चतुर्वेदी, श्रीमती अंजली खरे — 67
12. हनुमानगढ़ जिले में प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों के नामांकन एवं ठहराव का अध्ययन — जे. डी. सिंह — 73

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं- (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है- विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

बालमन कुछ कहता है

13. मेरा नाम भी छप जाए (कविता) — शुभम भदूला — 85

14. मेरा विद्यालय — लक्ष्य दहिया — 86

15. चीटिंयाँ नहीं पसंद — एकाग्रता — 87

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका के बारे में — 88

कविता

गणित का गणित — नीलिमा